5. भारतमहिमा (भारत की महिमा)

महिमा- बड़ाई, गौरव

(अस्माकं देशः भारतवर्षमिति कथ्यते। अस्य महिमा सर्वत्र गीयते। पाठेऽस्मिन् विष्णुपुराणात् भागवतपुराणात् च प्रथमं द्वितीयं च क्रमशः पद्यं गृहीतमस्ति। अवशिष्टानि पद्यान्यध्यक्षेण निर्मीय प्रस्तावितानि। भारतं प्रति भक्तिरस्माकं कर्तव्यरूपेण वर्तते।)

हमारे देश को भारतवर्ष कहा जाता है। इसकी महिमा सब जगह गायी जाती है। इस पाठ में विष्णुपुराण और भागवत पुराण से क्रमशः प्रथम और द्वितीय पद्य लिया गया है। बचे अन्य पदों को निर्माण कर प्रस्तुत किये गये हैं। भारत के प्रति भक्ति हमारा कर्तव्य है।

गायन्ति देवाः किल गीतकानि धन्यास्तु ते भारतभूमिभागे।
स्वर्गापवर्गास्पदमार्गभूते भवन्ति भूयः पुरुषाः सुरत्वात्।।

अर्थ- देवता लोग गीत गाते हुए कहते हैं कि वे लोग धन्य हैं, जिनका जन्म भारत देश में होता है। यह भूमि स्वर्ग और मोक्ष प्रदान करने योग्य साधन-स्वरूप है। इसलिए यहाँ जन्म लेनेवाले को देवता के समान कहा गया है।

व्याख्या- प्रस्तुत श्लोक 'विष्णुपुराण' से संकलित तथा 'भारतमहिमा' पाठ से उद्धृत है। इसमें भारत देश की विशेषताओं के बारे में कहा गया है।

यह देश धरती पर स्वर्ग के समान माना जाता है। पुराणकार का कहना है कि यह भूमि स्वर्ग और मोक्ष प्रदान करने वाली है। यहाँ जन्म लेनेवाले देवतुल्य माने जाते हैं क्योंकि यहाँ राम-कृष्ण जैसे देवताओं ने जन्म ग्रहण कर यह सिद्ध कर दिया है। इसलिए इस देश में जन्म लेनेवाले को देवता रूप में माना जाता है।

अहो अमीषां किमकारि शोभनं
प्रसन्न एषां स्विदुत स्वयं हरिः ।
यैर्जन्म लब्धं नृषु भारताजिरे
मुकुन्दसेवौपयिकं स्पृहा हि नः ।।

अर्थ- देवता लोग इस देश के गुण-गान करते हुए कहते हैं कि अहो! ईश्वर के द्वारा कितना सुदंर बनाया गया, जिससे मनुष्य भारत भूमि पर हरि के सेवा योग्य बन जाता है। मेरी भी इच्छा भारत भूमि पर जन्म लेने को है। अर्थात् जिस पर ईश्वर की कृपा होती है, वहीं भारत भूमि पर जन्म लेते

हैं।

व्याख्या- प्रस्तुत श्लोक 'भागवतपुराण' से संकलित तथा 'भारतमहिमा' पाठ से उद्धृत है। इसमें भारत देश की महानता के बारे में कहा गया है।

पुराणकार का कहना है कि भारत ही ऐसा देश है जहाँ भगवान भी जन्म लेने की इच्छा प्रकट करते हैं। इस देश में जन्म लेनेवाले मनुष्य धन्यवाद के पात्र होते हैं क्योंकि श्रीहरी के सेवा के इच्छुक होते हैं। जिन लोगों ने यहाँ जन्म लिया, उनमें स्वयं भगवान भी हैं इन्हीं विशेषताओं के कारण देवता इस देश के गुणगान करते हैं।

इयं निर्मला वत्सला मातृभूमिः

प्रसिद्धं सदा भारतं वर्षमेतत्।

विभिन्ना जना धर्मजातिप्रभेदै-

रिहैकत्वभावं वहन्तो वसन्ति।।

अर्थ- यह भारत वर्ष प्रसिद्ध है। यह भारत भूमि हमेशा पवित्र और ममतामयी है। यहाँ भिन्न-भिन्न धर्म जाति के लोग भेद किये बिना एकता के भाव में रहते हैं।

व्याख्या- प्रस्तुत श्लोक 'भारतमहिमा' पाठ से उद्धृत है। इसमें भारत देश की विशेषताओं के बारे में कहा गया है।

विद्धानों का कहना है कि भारत ही ऐसा देश है जहाँ विभिन्न जाति के लोग आपस में मिलजुल कर एकता का परिचय देते हैं। यहाँ के निवासियों ने शत्रुओं के साथ मित्रता का व्यवहार किया है। भिन्न-भिन्न जाति, धर्म, सम्प्रदाय के होते हुए भी सभी भाई-भाई के समान एक साथ रहते हैं।

विशालास्मदीया धरा भारतीया

सदा सेविता सागरै रम्यरूपा।

वनैः पर्वतैर्निर्झरैर्भव्यभूति-

र्वहन्तीभिरेषा शुभा चापगाभिः ।।

अर्थ- हमारी भारत भूमि विशाल, मनोहर तथा बहुत सुंदर ऐश्वर्य वाली है। यह सागरों, वनों, पर्वतों, झरनों और बहती हुई नदियों से हमेशा सुशोभित है।

व्याख्या- प्रस्तुत श्लोक 'भारतमहिमा' पाठ से लिया गया है। इसमें भारत की विशालता एवं प्राकृतिक संपदा के संबंध में प्रकाश डाला गया है।

भारत एक विशाल देश है। इसके उत्तर में हिमालय पर्वत प्रहरी के समान है, दक्षिण में हिन्द महासागर पाँव पखार रहा है। गंगा, यमुना तथा बह्मपुत्र जैसी नदियाँ अपने जल से यहाँ की भूमि

सींचती है, तो वनों से मुल्यवान लकड़ीयाँ एवं फल-फूल प्राप्त होते हैं। अतः भारत देश सभी प्राकृतिक संपदाओं से परिपूर्ण है।

जगद्गौरवं भारतं शोभनीयं
सदास्माभिरेतत्तथा पूजनीयम्।
भवेद् देशभक्तिः समेषां जनानां
परादर्शरूपा सदावर्जनीया।।

अर्थ- यह भारत देश शोभनीय और संसार का गौरव है और यह भूमि हमलोगों के द्वारा हमेशा पूजनीय है। यहाँ के सभी लोगों की देशभक्ति सदैव आकर्षणीय, श्रेष्ठ और आदर्श स्वरूप है।

व्याख्या- प्रस्तुत श्लोक 'भारतमहिमा' पाठ से लिया गया है। इसमें देशभक्ति की विशेषता पर प्रकाश डाला गया है।

कवि का कहना है कि हमारी देश भक्ति इतनी मधुर है कि विश्व इसके समक्ष नतमस्तक है। हर व्यक्ति में देशभक्ति की तीव्र भावना है। सभी देश की रक्षा के लिए तन-मन-धन से समर्पित है। इसके आर्दश आचरण के कारण हमेशा शोभनिय और पुजनिय है।

1. मातृभूमि का वर्णन किस रूप में किया गया है ? पठित पाठ के आधार पर लिखें।

उत्तर – हिमालय की गोद में बसा हुआ 'भारत निश्चय ही स्वर्ग-सा सुन्दर है । कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक एकता एवं समदर्शिता का भाव दृष्टिगत होता है। यह मातृभूमि निर्मल एवं ममतामयी है । यहाँ लोग धर्म, जाति के भेदों को भूलकर एक भाव से रहते हैं। विविध पर्व-त्योहार

यहाँ की एकता को एकसूत्र में पिरोये रहते हैं। इसकी भूमि विशाल एवं रम्यरूपा है। यह सागरों, पर्वतों एवं झरनों को धारण करते हुए नदियों के द्वारा सदा सेवित है।

2.भारतमहिमा का वर्णन पठित पाठ के आधार पर करें। अथवा, 'भारत पहिमा' पाठ का सारांश प्रस्तुत करें।

उत्तर – भारत का प्राकृतिक सौन्दर्य स्वर्ग-सा है। यह देवताओं, ऋषियों एवं महापुरुषों की अवतरण भूमि है। इसकी महिमा का वर्णन विष्णुपुराण एवं भागवतपुराण में देखने को मिलता है। भारतभूमि पर अवतरित होनेवाला मनुष्य निश्चय ही धन्य है। हमारी भारत भूमि विशाल, रम्यरूपा और कल्याणप्रद है। अत्यन्त शोभनीय और संसार का गौरव भारत हम सबों के द्वारा सदैव पूजनीय है । यहाँ धर्म, जाति के भेदों को भूलकर एकता एवं सहिष्णुता का पाठ पढ़ाया जाता है। हम भारतीय सदैव कहते हैं-वसुधैव कुटुम्बकम् अर्थात् सम्पूर्ण पृथ्वी ही हमारा परिवार है।

3. भारत महिमा पाठ का पाँच वाक्यों में परिचय दें।

उत्तर – इस पाठ में भारत के महत्त्व के वर्णन से सम्बद्ध पुराणों के दो पद्य तथा तीन आधुनिक पद्य दिये गये हैं। हमारे देश भारतवर्ष को प्राचीन काल से इतना महत्त्व दिया गया था कि देवगण भी यहाँ जन्म लेने के लिए तरसते थे। इसकी प्राकृतिक सुषमा अनेक प्रदूषणकारी तथा विध्वंसक क्रियाओं के बाद भी अनुपम है । इसका निरूपण इन पद्यों में प्रस्तुत है।

4. देवता लोग किस देश का गुणगान करते हैं और क्यों ?

उत्तर – देवता लोग भारत देश का गुणगान करते हैं, क्योंकि भारतीय भूमि स्वर्ग और मोक्ष प्राप्त करने का साधन है। मनुष्य भारत भूमि पर जन्म लेकर भगवान हरी की सेवा के योग्य बन जाते हैं।

5. भारत भूमि कैसी है तथा यहाँ किस प्रकार के लोग रहते हैं ?

उत्तर – भारतवर्ष अति प्रसिद्ध देश है तथा यहाँ की भूमि सदैव पवित्र और . ममतामयी है । यहाँ विभिन्न जातियों और धर्मों के लोग एकता भाव को धारण करते हुए निवास करते हैं।

6. भारतीयों की विशेषताओं का वर्णन करें।

उत्तर – भारत में जन्म लेकर लोग धन्य होते हैं और हरि की सेवा करते हैं। उन्हें स्वर्ग और मोक्ष प्राप्त होता है। भारतीय धर्म और जाति के भेदभावों को न मानते हुए एकता के भाव से रहते हैं। सभी भारतीयों की देशभक्ति आकर्षक है और दूसरों के लिए आदर्श रूपी है।

7. भारतमहिमा पाठ का क्या उद्देश्य है ?

उत्तर – भारतमहिमा पाठ में पौराणिक और आधुनिक पद्य संकलित हैं, इन सभी पद्यों का उद्देश्य भारत और भारतीयों की विशेषताओं का वर्णन करना है। इनमें भारत की सुंदरता एवं भव्यता और भारतीयों की देशभक्ति आदि की ओर पाठक का ध्यान आकर्षित किया गया है।

8. भारतमहिमा पाठ से हमें क्या संदेश मिलता है ? अथवा, 'भारतमहिमा' पाठ से क्या शिक्षा मिलती है ? पाँच वाक्यों में उत्तर दें।

उत्तर – भारतमहिमा पाठ से यह संदेश मिलता है कि हमें भारतीय होने पर गर्व होना चाहिए। हम भारतीयों को हरि की सेवा करने का मौका मिला है, और मोक्ष की प्राप्ति का भी अवसर मिला है । हमें देशभक्त होना चाहिए और अन्य भारतीयों से मिल-जुलकर रहना चाहिए।

IMPORTANT OBJECTIVE QUESTION

1. 'भारत महिमा' पाठ का द्वितीय श्लोक किस पुराण से संकलित है?

(A) विष्णु पुराण से

(B) भागवत पुराण से

(C) पद्मपुराण से

(D) वायु पुराण से

Ans – (B)

2. भारतभूमि पर जन्म लेने वालों का किससे तुलना की गई है?

(A) दानव

(B) देवता

(C) पशु

(D) नेता

Ans – (B)

3. भारतभूमि का गान कौन करते हैं?

(A) दानवगण

(B) मूर्ख लोग

(C) नेता लोग

(D) देवतागण

Ans – (D)

4. भारत महिमा पाठ के रचनाकार कौन हैं?

(A) कालिदास

(B) महर्षि वेदव्यास

(C) विदूरः

(D) वाल्मीकिः

Ans – (B)

5. भारतभूमि किससे सेवित है?

(A) क्षेत्र

(B) कमल

(C) सागर पर्वत निर्झर

(D) शत्रु

Ans – (C)

6. भारत की महिमा कहाँ गायी जाती है?

(A) मंदिर

(B) सर्वत्र

(C) एकत्र

(D) प्राचीन

Ans – (B)

7. भारत के उत्तर में कौन प्रहरी की तरह विराजमान है?

(A) गंगा

(B) हिमालय

(C) सागर

(D) मंत्री

Ans – (B)

8. भारत महिमा पाठ का प्रथम श्लोक किस पुराण से लिया गया है?

(A) भागवत पुराण

(B) शिव पुराण

(C) विष्णु पुराण

(D) गणेश पुराण

Ans – (C)

9. हमलोगों के लिए सदा कौन पूजनीय है?

(A) क्षेत्र

(B) भारत

(C) छात्र

(D) युद्ध

Ans – (B)

10. देवगण क्या गाते हैं?

(A) गीता

(B) रामायण

(C) महाभारत

(D) गीत

Ans – (D)

11. भारत में जन्म लेने वाला किनकी सेवा करते हैं?

(A) दानव

(B) मानव

(C) पशु

(D) श्रीहरि

Ans – (D)

12. भगवान कहाँ जन्म लेना चाहते हैं?

(A) भारत में

(B) विदेश में

(C) घर में

(D) आकाश में

Ans – (A)

13. किसके गीत देवता भी गाते हैं?

(A) भारत वर्ष के

(B) स्वीडन के

(C) बंगलादेश के

(D) पाकिस्तान के

Ans – (A)

14. गायन्ति देवाः ..... पुरुषाः सुरत्वात्। किस पाठ से लिया गया है?

(A) संस्काराः

(B) मंगलम्

(C) भारत महिमा

(D) दयानन्द

Ans – (C)

15. मोक्ष प्रदान करने वाली भूमि कौन है?

(A) भारत

(B) श्रीलंका

(C) चीन

(D) इराक

Ans – (A)

16. अहो अमीषां ..... स्पृहा हिनः ॥ किस पुराण से लिया गया है?

(A) भागवत पुराण

(B) शिव पुराण

(C) महाभारत

(D) रामायण

Ans – (A)

17. पुराण के रचनाकार कौन हैं?

(A) वाल्मीकि

(B) वेदव्यास

(C) कालिदास

(D) चाणक्य

Ans – (B)

18. हम सबों का कर्तव्य क्या है?

(A) राष्ट्रभक्ति

(B) देशभक्ति

(C) मित्रभक्ति

(D) शत्रुभक्ति

Ans – (A)

19. आधुनिक गीत के रचनाकार कौन हैं?

(A) मिथिलेस कुमारी मिश्र

(B) उमाशंकर मिश्र

(C) डा० रामविलास चौधरी

(D) डा० गिरिजानन्दन मिश्र

Ans – (B)

20. यहाँ के लोग किस भाव से रहते हैं?

(A) अनेकता

(B) एकता

(C) शत्रुवत

(D) मूर्खवत्

Ans – (B)

21. कौन-सी भूमि पवित्र और ममतामयी है?

(A) वन भूमि

(B) जल

(C) भारतभूमि

(D) अमेरिका

Ans – (C)

22. अयं निर्मला ..... वहन्तो वसन्ति।। किस पाठ से लिया गया है?

(A) भारत महिमा

(B) नीतिश्लोक

(C) शास्त्रकारा

(D) मंगलम्

Ans – (A)

23. हमलोगों की देशभक्ति कैसी होनी चाहिए?

(A) अपकार

(B) आदर्श

(C) अनादर्श

(D) घमंड

Ans – (B)

24. कितने पुराण हैं?

(A) 10

(B) 11

(C) 18

(D) 15

Ans – (C)

25. किस देश में देवता बार-बार जन्म लेना चाहते हैं?

(A) भारत

(B) यूनान

(C) नेपाल

(D) भूटान

Ans – (A)

26. 'स्वर्गापवर्गास्पदमार्गभूते' किस देश को कहा गया है?

(A) भारतवर्ष को

(B) जापान को

(C) यूनान की

(D) श्रीलंका को

Ans – (A)

27. 'सदा ..... सागरै रम्यरूपा।' रिक्त स्थान में कौन सा पद होगा ? (A) सेविता

(B) वन्दिता

(C) नन्दिता

(D) बोधिता

Ans – (A)

28. किसकी महिमा सर्वत्र गायी जाती है?

(A) श्रीलंका

(B) भूटान

(C) भारत

(D) बांग्लादेश

Ans – (C)

29. भारत की शोभा से कौन प्रसन्न होते हैं?

(A) ईश्वर

(B) दैत्य

(C) आलसी

(D) क्रोधी

Ans – (A)

30. गायन्ति देवाः ..... पुरुषाः सुरत्वात्। यह पद्म किस पुराण से उद्धृत है?

(A) नारद पुराण

(B) विष्णु पुराण

(C) भागवत् पुराण

(D) गरुड़ पुराण

Ans – (B)

31. भारतभूमि कैसी है?

(A) विशाल

(B) निर्मला

(C) वत्सला

(D) (A), (B) और (C) तीनों

Ans – (D)

32. 'भारतमहिमा' पाठ में कुल कितने पद्य हैं?

(A) चार

(B) छः

(C) पाँच

(D) सात

Ans – (C)

33. 'भारतमहिमा' पाठ में किस देश की महिमा का

वर्णन किया गया है?

(A) नेपाल

(C) भारत

(B) श्रीलंका

(D) अमेरिका

Ans – (C)

34. 'भवन्ति पुरुषाः सुरत्वात्।

(A) ते

(C) देवाः

(B) भूयः

(D) गायन्ति

Ans – (B)

35. विभिन्न जाति और धर्म के लोग भारत में कैसे रहते हैं?

(A) एकत्व भाव से

(B) वैमनस्य भाव से

(C) शत्रुत्व भाव से

(D) कपट भाव से

Ans – (A)